सोमवार
14 मार्च 2022

पृष्ठ 4
किचन गार्डन बनाना चाहते हैं तो इन टिप्स को जरूर करें फॉलो

पृष्ठ 5
अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी विद्या और शेफाली की फिल्म जलसा?

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 48
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विवेक जीवन का नमक है और कल्पना उसकी मिठास। एक जीवन को सुरक्षित रखता है और दूसरा उसे मधुर बनाता है।
– अज्ञात

दूनवैली मेल

साांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सत्ता का सरदार कौन? फैसला 19 को

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखंड का नया मुखिया कौन होगा? भले ही चर्चाओं के केंद्र में आधा दर्जन से अधिक नाम हो और पुष्कर सिंह धामी के पक्ष में उनकी टीम खुलकर बैटिंग कर रही हो लेकिन अब इसका फैसला दिल्ली दरबार से ही होगा। आगामी 19 मार्च को आने वाली पर्यवेक्षक टीम औपचारिक तौर पर विधानमंडल दल से उनकी राय जानेगी जिसके आधार पर हाईकमान के फैसला लेने की बात कही जा रही है। वहीं 19 मार्च को ही नेता विधानमंडल दल के नाम का ऐलान और सरकार गठन का दावा पेश किया जाएगा तथा 20 मार्च को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने उत्तराखंड में होली के बाद ही नई सरकार का शपथ ग्रहण होने की बात कही। हालांकि उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम पर

●20 मार्च को होगा नई सरकार का शपथ ग्रहण
●चर्चाओं के दबाव में नहीं होगा सीएम पर फैसला

पत्ते नहीं खोले और 19 मार्च को विधानमंडल दल की बैठक में सीएम के नाम की घोषणा की बात कही। उल्लेखनीय है कि 19 मार्च को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व पीयूष गोयल दून आ रहे हैं।

19 मार्च को होने वाली विधानमंडल दल की बैठक में सीएम के चयन का फैसला हाईकमान पर छोड़ने के साथ ही इस सरकार का नेतृत्व कौन करेगा इसकी औपचारिक घोषणा किए जाने की संभावना है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में इस मुद्दे पर विचार मंथन का दौर जारी है तथा 19 से पहले ही इस पर फैसला ले लिया जाएगा। जानकारी यह भी मिली है कि सीएम को लेकर जिन विधायकों द्वारा अपने नाम उछाले जा रहे हैं उस कवायद का उन्हें कोई फायदा होने वाला नहीं है। हाईकमान द्वारा फिर सीएम के लिए कोई ऐसा नाम भी घोषित किया जा सकता है जो चर्चाओं से परे हो। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हाईकमान किसी के दबाव में फैसला करने नहीं जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस चर्चा में अब तक पुष्कर सिंह धामी से लेकर सतपाल महाराज, धन सिंह रावत, डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, अनिल बलूनी, रितु खंडूरी तथा मदन कौशिक के नाम उछाले जाते रहे हैं। कई नेता अपने समर्थकों और रसूखों के जरिए अपना नाम आगे बढ़ाने में लगे हैं लेकिन हाईकमान द्वारा सीएम का चेहरा चौंकाने वाला भी हो सकता है। जिसका पता 19 मार्च को ही चल सकेगा।

बंशीधर भगत प्रोटेम स्पीकर नियुक्त

विशेष संवाददाता

देहरादून। भले ही अभी भाजपा द्वारा नए सीएम के नाम पर फैसला न किया गया हो लेकिन विधानसभा प्रशासन द्वारा सरकार गठन की तैयारियां शुरू कर दी गई है। राज्यपाल के निर्देश पर विधानसभा सचिव द्वारा अधिसूचना जारी कर बंशीधर भगत को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

संवैधानिक प्रक्रिया के तहत सरकार गठन की प्रक्रिया के तहत प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति की जाती है। प्रोटेम स्पीकर नवनिर्वाचित विधायकों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाता है जिसके बाद ही विधायकों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) का चयन किया जाता है। विधानसभा सचिव मुकेश सिंघल द्वारा आज इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्य की पांचवी विधानसभा के गठन के लिए पांच बार के विधायक बंशीधर भगत को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। 10 मार्च को आये विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 70 में से 47 सीटें जीतकर राज्य में अपनी सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया है।

❑विधानसभा सचिव ने की अधिसूचना जारी

इसके बाद प्रशासन स्तर पर नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। भाजपा विधानमंडल की बैठक में विधायक दल के नेता का चयन होने के बाद वह अपनी सरकार गठन का दावा-पत्र राज्यपाल को सौंपेंगे और राज्यपाल के आदेश पर सरकार का शपथ ग्रहण होगा। जिसमें महामहिम द्वारा सीएम और उनके मंत्रिमंडल सहयागियों को शपथ दिलाई जाएगी जो विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। इसके साथ ही सरकार के गठन की प्रक्रिया पूरी होगी और नई सरकार अस्तित्व में आ जाएगी।

कनाडा में वाहन दुर्घटना में पांच भारतीय छात्रों की मौत, दो अस्पताल में भर्ती

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में एक एक्सीडेंट हो गया है। इस हादसे में ५ भारतीय छात्रों की मौत हो गई है और दो लोग घायल हुए हैं। हादसे में घायल दोनों लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने इस हदासे के बारे में जानकारी दी है।

अजय बिसारिया ने कहा है, १३ मार्च को टोरंटो के पास एक ऑटो दुर्घटना में ५ भारतीय छात्रों की मौत हो गई। दो अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास की टीम मदद के लिए पीड़ितों के दोस्तों के संपर्क में है। क्विंटे वेस्ट ऑंटारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) के अनुसार, हादसे में मारे गए छात्रों की पहचान हरप्रीत सिंह, जसपिंदर सिंह, करनपाल सिंह, मोहित चौहान और पवन कुमार के रूप में हुई है। ये सभी शनिवार को सुबह के समय ४०१ हाईवे पर एक वैन में पश्चिम की ओर यात्रा कर रहे थे। तभी करीब सुबह तड़के ३.४५ बजे वैन की टक्कर ट्रैक्टर-ट्रेलर से हो गई। पुलिस दुर्घटना की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

देश में बीते 24 घंटे में आए कोविड-19 के 2,503 नए मामले, 27 लोगों की गई जान

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-१६ के २,५०३ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर ४,२६,६३,४६४ हो गई वहीं, २७ और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,१५,८७७ हो गई। जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी कम होकर ३६,१६८ रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, इन नए मामलों के साथ कोविड-१६ के मामले बढ़कर ४,२६,६३,४६४ हो गए हैं। साथ ही २७ और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर ५,१५,८७७ हो गयी है।

आंकड़ों के मुताबिक, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का ०.०८ प्रतिशत है जबकि

कोविड-१६ से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ६८.७२ प्रतिशत है। बीते २४ घंटों में कोविड-१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १,६०१ की कमी दर्ज की गयी है। ये मामले तीन मई २०२० के बाद से सबसे कम है। इस बीमारी से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर ४,२४,४१,४४६ हो गयी है और मृत्यु दर १.२० प्रतिशत दर्ज की गयी। मंत्रालय ने बताया कि देशव्यापी कोविड-१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक १८०.१६ करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। दैनिक संक्रमण दर ०.४७ प्रतिशत दर्ज की गयी और साप्ताहिक संक्रमण दर ०.४७ दर्ज की गयी है। अभी तक कोविड-१६ के लिए ७७.६० करोड़ नमूनों की जांच की गयी है और बीते २४ घंटे में ५,३२,२३२ नमूनों की जांच की गयी। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ६० लाख के पार चले गए थे। देश में १६ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

अपने हाल पर कांग्रेसी हैरान क्यों?

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के नेता राज्य में मिली लगातार तीसरी बड़ी हार के बाद भी आत्मचिंतन और मंथन की बजाय जिस तरह से एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में लगे हैं उससे साफ है कि उन्हें न तो अपनी हार पर कोई शर्मिंदगी है और न पार्टी के भविष्य की कोई चिंता फ़िक्र है, न कोई पछतावा। पार्टी की इस दुर्दशा की स्थिति के लिए कोई और नहीं बल्कि पार्टी के वह नेता ही जिम्मेवार है जो अपने आप को ही सब कुछ मानते हैं और अपने से बड़ा नेता किसी को नहीं समझते हैं और न मानते हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का जितना खराब प्रदर्शन रहा था क्या वह खतरे का अलार्म नहीं था। राज्य की 70 विधानसभा सीटों में से 59 सीटों पर हार, सिर्फ 11 सीटों पर जीत से क्या कांग्रेसियों ने कोई सबक लेने की जरूरत समझी? अगर कोई पार्टी सत्ता में रहते हुए इतनी बुरी तरह हार जाए और खुद मुख्यमंत्री दो-दो सीटों से चुनाव लड़ कर भी न जीत पाए तो इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है। इसके बाद 2019 के आम चुनाव में भी कांग्रेस को सभी 5 सीटों पर हार का मुंह देखना पड़ा। हैरान करने वाली बात यह है कि इसके बावजूद भी पूर्व सीएम हरीश रावत ने स्वयं को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने और खुद को ही मुख्यमंत्री बनाए जाने की जिद नहीं छोड़ी। चुनाव से पूर्व कांग्रेस को प्रदेश अध्यक्ष बदलने की क्या जरूरत थी? अगर इस सवाल का जवाब ढूंढा जाए तो क्या यह बदलाव कांग्रेस के अंदर जारी वर्चस्व की लड़ाई का हिस्सा नहीं था? प्रीतम सिंह को हटाकर जिन गणेश गोदियाल को अध्यक्ष बनाया गया था उन्होंने 2022 के चुनाव में कौन सा तीर मार लिया। पहले 11 सीटें जीती थी इस बार 19 जीत ली। अगर हरीश और गोदियाल इतने ही चमत्कारी नेता थे तो वह क्यों चुनाव हार गए। उन्होंने अपनी हार के साथ अगर पार्टी को जिता दिया होता जैसे पुष्कर सिंह धामी ने जिता दिया तो आज कांग्रेस नेता उनके लिए भी शायद तालियां बजा रहे होते, और उनकी वैसी कुर्ता घसीटन न हो रही होती जैसी हो रही है। राजनीति को सिर्फ पैतरेंबाजी का खेल समझने वाले कांग्रेसी नेताओं को आखिर कब यह समझ आएगा कि दूसरों की लाइन को मिटाकर छोटा करने से वह खुद की लाइन को बड़ा नहीं कर सकते अगर बड़ा बनना है तो उसके लिए खुद बड़ी लाइन खींचने पड़ती है। खुद को साबित किए बिना कोई खुदा नहीं बन सकता है। आज हालात देखिए कि भाजपा के विजयी विधायकों की टोली में १४ विधायक पूर्व कांग्रेसी हैं। जो आज भी कांग्रेस का हिस्सा हो सकते थे क्या कांग्रेसियों ने कभी मंथन किया कि ऐसा क्यों हुआ? या यह नहीं होना चाहिए था? यशपाल आर्य ने भाजपा में जाकर और फिर कांग्रेस में वापस आकर भी खुद को साबित किया है वहीं प्रीतम सिंह ने कांग्रेस में रहकर अपना वजूद कायम रखा है। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दो या नेता विपक्ष बना दो क्या फर्क पड़ता है। यही कारण है अब कांग्रेस में यह दो ही नेता बचे हैं। बाकी सभी ने खुद ही खुद का काम तमाम कर लिया है। ऐसी स्थिति में प्रदेश कांग्रेस का वजूद खतरे में पड़ना स्वाभाविक है। वर्तमान चुनाव परिणाम सिर्फ आज के वर्तमान का आईना नहीं है कांग्रेस को भविष्य की संभावनाओं का रास्ता दिखाने वाले भी हैं बशर्ते कांग्रेसी नेताओं में इसे देखने का साहस हो। कांग्रेसी हार के कारणों पर मंथन करने जा रहे हैं यह सुनकर किसी को भी हंसी आ सकती है क्योंकि अब कांग्रेस के पास इन औपचारिकताओं के सिवाय बचा ही क्या है।

उत्तराखंड के लोकपर्व फूलदेई पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर देहरादून के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के आवास पर छोटी बच्चियां। 25 सालों से उत्तराखंड की संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

हरीश पैसा लेकर कटवाते हैं टिकट: रंजीत

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब कांग्रेस नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया है। कभी एक दूसरे के अत्यंत ही करीब रहे रंजीत सिंह रावत ने आज सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पर अत्यंत ही गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हरीश रावत बहुत ही मासूमियत से झूठ बोलते हैं। उन्होंने हरीश रावत पर पैसे लेकर टिकट दिलवाने और कटवाने का आरोप लगाया है।

हार के बाद कांग्रेस में घमासान

रंजीत रावत का आरोप है कि हरीश रावत नये कार्यकर्ताओं को ऐसी अफीम चटाते हैं कि वह जिंदगी भर उनके सम्मोहन से बाहर नहीं निकल पाता। उनका कहना है कि हरीश रावत के सम्मोहन से बाहर निकलने में उन्हें खुद 30 साल लग गए। उनके सच को समझना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है वह इतनी मासूमियत से झूठ बोलते हैं कि उन पर कोई अविश्वास कर ही नहीं सकता। उनका कहना है कि उन्होंने ही पहले मुझे सल्ट की बजाय रामनगर से चुनाव लड़ने की सलाह दी और जब मैंने काम शुरू किया तो उन्होंने रामनगर छोड़कर मुझे फिर सल्ट से चुनाव की तैयारी करने को कहा तो मैंने मना कर दिया। उन्होने कहा कि अभी टिकट वितरण से पूर्व खेल गांव स्थित अविनाश पांडे के घर बैठकर उन्होंने खुद यह कहा था कि मैंने रामनगर में बहुत मेहनत की है और मुझे रामनगर सीट से टिकट दिया जाए लेकिन जब टिकट बांटे गये तो वह खुद रामनगर से अपना टिकट करवा लाए और मुझे सल्ट जाने पर मजबूर करने लगे और जब मैं अड़ गया तो उन्होंने रामनगर का टिकट न देकर मुझे सल्ट का टिकट थमा दिया गया।

उन्होंने हरीश रावत पर टिकट दिलवाने व टिकट कटवाने के लिए पैसे लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके मैनेजरों ने जिनसे टिकट के नाम पर पैसे लिए वह अब उनके चक्कर काट रहे हैं। कुछ के पैसे वापस मिल गए और कुछ के अभी भी नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि 2017 में उन्होंने सल्ट से भाजपा को वॉकओवर देने की बात भी कही थी। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं। राहुल गांधी जो दिन रात मेहनत करते हैं वह उनकी मेहनत पर पानी फेर देते हैं। जब राहुल गांधी कह रहे थे चौकीदार चोर है तब हरीश रावत कह रहे थे कि मोदी तुझसे बैर नहीं, भाजपा तेरी खैर नहीं। उन्होंने कहा कि चुनाव में मिली हार के लिए हरीश रावत ही जिम्मेदार हैं।

फाइनेंस कम्पनी के कार्यालय में कर्मचारी ने ही लूटे चार लाख

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में आज सुबह चार लाख रुपये लूटे जाने का मामला सामने आया है। कंपनी के ही कर्मचारी द्वारा ब्रांच मैनेजर के सिर पर ईंट मारकर लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। ब्रांच मैनेजर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं लूट की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार रूड़की गंगनहर कोतवाली क्षेत्र की प्रीत विहार कॉलोनी में एक फाइनेंस कंपनी का कार्यालय है। बताया जा रहा है कि आज सुबह ब्रांच मैनेजर भंवर सिंह सैनी कार्यालय में अकेले काम कर रहे थे। तभी कंपनी का एक कर्मचारी आया, जिसने पीछे से भंवर सिंह सैनी के पर ईंट से हमला कर दिया और कार्यालय में रखे करीब चार लाख रुपये लूट कर फरार हो गया। घायल भंवर सिंह को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी गयी है।

अधि बृबुः पणीनां वर्षिष्ठे मूर्धन्नस्थात्।
उरुः कक्षो न गाङ्ग्यः।।
(ऋग्वेद ६–४५–३१)

समाज में शिल्पकारों, नवप्रवर्तकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों आदि का स्थान नदी के किनारे जैसा ऊँचा है। जिस प्रकार नदी का किनारा जल के प्रवाह को नियंत्रित कर दिशा देता है, उसी प्रकार ये लोग भी राष्ट्र को एक निश्चित दिशा देते हैं।

The place of craftsmen, innovators, industrialists, businessmen, etc. in society is high, like the banks of the river. Just as the bank of a river gives a direction by controlling the flow of water, similarly, these people also give a definite direction to the country. (Rig Veda 6-45-31)

उत्तराखंड के भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से की मुलाक़ात

नई दिल्ली । उत्तराखंड के भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। सांसदों की मुलाकात पीएम मोदी से संसद भवन में हुई। उत्तराखंड में सीएम के चेहरे को लेकर चल रही चर्चा के बीच बीजेपी सांसदों ने सीएम के नाम को लेकर फैसला आला कमान पर ही छोड़ दिया है। देश के चार राज्यों में भाजपा की हुई बंपर जीत पर सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को बधाई दी और इसे प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के किए गए कार्यों की जीत बताया।

डोईवाला पहुंचने पर किशोर उपाध्याय का हुआ जोरदार स्वागत

ऋषिकेश। टिहरी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते विधायक किशोर उपाध्याय के डोईवाला पहुंचने पर भाजपाइयों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर उपाध्याय ने कहा कि देश पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में आजादी के बाद पहली बार बहुत तेजी से कार्य हुआ है। कनेक्टिविटी को लेकर चाहे वह रेलवे हो, हवाई जहाज से कनेक्टिविटी हो या रोड कनेक्टिविटी हो, तेजी से विकास हुआ है। मोदी सरकार की ही देन है कि हमारे चारों धाम रेलवे कनेक्टिविटी से जुड़ जाएंगे। इनके लिए तेजी से कार्य हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही बदरीनाथ, केदारनाथ के लिए कनपुरिया तक रेलवे लाइन का कार्य पूर्ण होगा और कहा कि गंगोत्री–यमुनोत्री के लिए भी ३० हजार करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट धरातल पर दिखाई देगा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मौके पर रविंद्र बेलवाल, रामलाल कोठारी आदि मौजूद रहे।

वाहन पीछे करने को लेकर मारपीट, पिता पुत्र नामजद

संवाददाता

देहरादून। वाहन आगे पीछे करने को लेकर मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने पिता पुत्र को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेशम माजरी निवासी सत्यपाल सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने घर की तरफ जा रहा था तभी सामने ने प्यारा सिंह उसका पुत्र मनप्रीत सिंह भी अपने वाहन से वहां पर पहुच गये। उसने उनको वाहन पीछे करने के लिए कहा तो इसी बात पर कहा सुनी होने पर दोनों पिता पुत्र ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ उसपर हमला कर दिया तथा उसके दांत तोड दिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बन्द मकान में हुई चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। बन्द मकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को चुराये गये लाखों के माल सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते सात मार्च को थाना बनबसा में प्रवीण कुमार गर्ग पुत्र सुभाष चन्द्र, निवासी एनएचपीसी कालौनी द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके बन्द पड़े मकान से सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिये गये है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयासों के बाद बीते रोज सचिन कुमार उर्फ चीनी पुत्र छोटे लाल निवासी एनएचपीसी कालोनी व दीपक कुमार पुत्र राम पाल, निवासी ग्राम फागपुर बनबसा को मय चुराये गये आभूषणो व अन्य सामान के सहित गिरफ्तार कर लिया गया। दौराने पूछताछ उन्होने बताया कि वह दोनो लोग आपस मे मित्र है और अक्सर एनएचपीसी कालौनी के वृदावन पार्क मे बैठकर शराब का सेवन करते है। बताया कि वह दोनो प्रवीण गर्ग से भी अच्छी तरह परिचित है। आरोपी सचिन कुमार उर्फ चीनी के घर का रास्ता प्रवीण गर्ग के घर से होते हुऐ जाता है। अतः प्रवीण गर्ग के घर से सपरिवार बाहर छुट्टी पर जाने की जानकारी सचिन को थी। जिस पर उन दोनों ने प्रवीण गर्ग के घर चोरी का प्लान बताया और प्रवीण के घर की जाली व दरवाजा काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। बरामद माल की कीमत एक लाख अस्सी हजार बतायी जा रही है।

4/4 गोरखा राइफल्स रेजीमेंट ने मनाया अपना स्थापना दिवस

संवाददाता

देहरादून। 4/4 गोरखा राइफल्स रेजीमेंट ने अपना स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया।

आज यहां 4/4 गोरखा राइफल्स रेजीमेंट के पूर्व सैनिक संगठन ने अपने रेजीमेंट का स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में ब्रिगेडियर पुनीत शर्मा ने दीप जीतकर तथा कोरोना महामारी में दिवंगत पुण्य आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन रखवाया। बटालियन के पूर्व सैनिक संगठन के वरिष्ठ सलाहकार सूबेदार मेजर और ऑर्डिनरी लेफ्टिनेंट विजेंद्र राणा ने बटालियन के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बटालियन 15 मार्च 1941 में लेफ्टिनेंट कर्नल बर्कले के नेतृत्व में खड़ी हुई थी और द्वितीय विश्व युद्ध में हमारी बटालियन ने बर्मा की बहुत दिलेरी से लड़ी जिस कारण 9 मार्च 1945 को बटालियन के बैटल ऑनर्स मेडल से प्रदान किया गया। अक्टूबर 1946 को

बटालियन डेमो ब्लिस्ट हो गई 1 मार्च 1962 को अंबाला कैंट में लेफ्टिनेंट कर्नल गुरबख्श सिंह गिल के नेतृत्व में दोबारा खड़ी हुई जो आज तक निरंतर बहादुरी और मुस्तैदी से काम कर रही है। प्रतिवर्ष रेजीमेंट का स्थापना दिवस समारोह बहुत ध ूमधाम से` मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में सभी भूतपूर्व सैनिक अपने परिवार के साथ सम्मिलित होते हैं तथा अपने परिवार को उस बहादुर युग के बारे में बताते हैं जिससे परिवार के लोगों को भी सदस्यों को भी अपने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति श्रद्धा भाव बना रहे। कार्यक्रम में कैप्टन कमल थापा और नदी कैप्टन विक्रम थापा महेश गुरंग, बंदा बहादुर गुरुंग तेजवीर गुरुग, कमान सिंह, बीरबल गुरंग, गजेंद्र बूढ़ाकोठी, तेजेंद्र गुरुग, विष्णु थापा, धन बहादुर थापा, धनबाद और राणा रोहित थापा किशोर थापा तथा संजय थापा ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर पुनीत शर्मा ने सभी को आह्वान किया तथा प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम को आयोजित करने तथा अधिक से अधिक भागीदारी करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम 11 मार्च को होना था परंतु चुनाव मतदान की गिनती एवं उसके पश्चात यातायात व्यवस्था को देखते हुए कार्यक्रम को आज मनाया गया।

अश्लील हरकतें करने पर युवती सहित पांच गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। सार्वजनिक स्थान पर अश्लील हरकतें करने पर पुलिस ने एक युवती सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस को केसरी विहार रसूलपुर के लोगों ने सूचना दी कि उनके यहां पर कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर अश्लील हरकतें कर रहे हैं जिससे वहां से गुजरने वाली महिलाओं व युवतियों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां से पुलिस ने एक युवती सहित पांच लोगों को अश्लील हरकतें करते हुए गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मनीष पुत्र सोबन सिंह, विशाल कुमार पुत्र राजकुमार दोनों निवासी रसूलपुर, शुभम पुत्र राजकुमार निवासी लक्ष्मणपुर, दीपक पुत्र राजपाल निवासी डाक्टर गंज व युवती उत्तरकाशी की रहने वाली है। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जमीनी विवाद के चलते तमंचा लेकर घूम रहा एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। जमीनी विवाद मामले में विपक्षियों से खतरा होने के चलते तंमचा व कारतूस लेकर घूम रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना बनबसा पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस बीच पुलिस को जगबूड़ा बैरियर चैकनाके से सूचना मिली कि जब एक संदिग्ध सफेद आल्टो कार को चैकिंग के लिए रोका गया तो वह बिना रूके बनबसा की ओर चली गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए बनबसा थाना पुलिस द्वारा फूलो की नर्सरी बनबसा के पास बैरियर लगाकर उक्त अल्टो कार को रोका गया।

कार की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसमें रखा तमंचा व तीन कारतूस बरामद किये। पूछताछ में चालक द्वारा अपना नाम रंजीत सिह पुत्र सुखदेव सिह निवासी पीलीभीत उत्तर प्रदेश बताया।

बताया कि मुझे अपने गांव मे जमीनी विवाद के चलते विपक्षियो से खतरा है इसलिये उक्त तमंचा मैं अपने साथ लेकर चलता हूँ। आज जब मे अपने निजी काम से बनबसा आ रहा था तो रास्ते मे पुलिस को चैकिंग करते देख कर डर गया और पुलिस के रोकने पर भी कार भगा कर ले गया।

कलाकारों ने दी कुमाऊनी खड़ी होली की रंगारंग प्रस्तुती

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। हुड़के की थाप, ढोल दमाऊ के साथ मशकबीन की तान के साथ पारंपरिक वेशभूषा में माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में हमारी पहचान रंगमंच के कलाकारों द्वारा कुमाऊनी खड़ी होली की रंगारंग प्रस्तुती दी गई। होल्यारों ने शिव के मन माही बसे काशी...... अम्बे के भवन विराजे होली...... जैसी सुमधुर होलियों का सुमधुर गायन किया और नृत्य किया, टपकेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर मंदिर के पुजारी भरत गिरि महाराज को भी होली की बधाई दी।

मंदिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु

आचार्य बिपिन जोशी ने होल्यारो को पटके पहनाकर और परस्पर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर और गुड़ खिलाकर सम्मान और स्वागत किया, आलू के गुटके और पहाड़ी चटनी का प्रसाद बाटा गया इस अवसर पर डा० मथुरा दत्त जोशी, कैलाश पाठक, बबिता साह लोहनी, भगवती जोशी, पुष्पा बिष्ट,पुष्पा बिष्ट, कांता बिष्ट, मदन जोशी, शेर सिंह बिष्ट, गणेश कांडपाल, आचार्य खीमानंद भट्ट, कैलाश चन्द्र पांडे, विनोद कांडपाल आदि उपस्थित थे।

युद्ध के दुःस्वप्न और सपनों की टीस

अशोक गौतम

इन दिनों पता नहीं क्यों मेरी आंखों को एक से एक अजीब सपने देखने की लत पड़ गई है? मुझसे बिन इजाजत लिए कभी वे सपना देखती हैं कि पेट्रोल बीस रुपए लीटर हो गया है, तो कभी सपना देखती हैं कि टमाटर दस रुपए किलो भी कोई नहीं पूछ रहा। वे कभी बुरा सपना देखती हैं कि स्कूलों में बिना डोनेशन पेट में पल रहे बच्चों के एडवांस में एडमिशन हो रहे हैं तो कभी सपना देखती हैं कि सरकार अपनों को छोड़ पात्रों को बुला-बुलाकर नौकरी दे रही है ...कि समाज जड़ से भ्रष्टाचार मुक्त हो गया है। दुःस्वप्नों के इसी क्रम में कल मेरी आंखों ने मुझसे बिन पूछे सपना देखा कि बाहर चलने वाला युद्ध विराम हो गया है। जीते-हारे नेता मजे से एक-दूसरे के गले लग रहे हैं। मैंने अपने सपने में देखा कि युद्ध की लपटों से झुलसा कबूतर जले पेड़ पर मुंह में शांति का जला फूल लिए मुस्कुरा रहा है।

मैंने अपने सपने में देखा कि पता नहीं किस ओर का जांबाज घायल सिपाही अपनी बंदूक से चोंच में शांति का फूल लिए कबूतर को भगा रहा है तो अशांति का भूत कबूतर उसे जख्मी हाथों से बंदूक उठाने को बार-बार उकसा रहा है।

सपने में जरा और आगे गया तो मैंने देखा-दूर युद्ध के गोलों से मलबा हुए शहर में मुस्कुराती हुई बुढ़िया अपनी आंखें बंद किए अपने बचे घर को तोड़ने में ताबड़-तोड़ जुटी है।

प्रेमिका हंसते हुए जंग से सलामत लौट कर आए अपने प्रेमी को नोच रही है।

सपने में मैंने देखा कि बम से टूटी छत के नीचे बैठा बेटा अपनी झुलसी किताब के सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारे के झुलसे शब्दों पर से कालिख साफ करता अपनी मां से पूछ रहा है, 'मां ये क्या हुआ? मेरे इन शब्दों को किसने आग लगाई? मेरा स्कूल किसने गिराया? क्या स्कूल इतने बुरे होते हैं मां कि उन्हें गिरा देना चाहिए?'

'तुम्हारा स्कूल सत्ता की जिद ने खरीद लिया बेटा।'

'पर मां! मैंने तो अपना स्कूल बेचा नहीं। फिर मेरे स्कूल को किसने खरीदकर गिरा दिया?' 'युद्ध से लेकर विकास तक हम कुछ खरीदें या न, पर इसकी हर कीमत चोरी-छिपे इसे खरीदने-बेचने वालों के चलते हर युग में जनता को ही चुकानी पड़ती है बेटे।' मां की बात को इस कान से सुनता उस कान से निकालता, पेड़ पर बैठा गिद्ध फिर से अहिंसावादी चिंतक होने लगा है। बच्चा हाथ में जला भविष्य लिये, जले-अधबचे शब्दों पर मरहम लगाता प्यार से हाथ फेर रहा है।

आखिर इतनी समानता क्यों है भाई

सहीराम

होती होगी, नेताओं और अभिनेताओं में भी समानता होगी। लेकिन जैसी समानता युद्ध और महामारी में होती है, वैसी समानता किसी में नहीं होती। ऐसा साथ और ऐसा गाढ़ा रिश्ता भी किसी का नहीं होता होगा, जैसा इनका होता है। पहले तो युद्ध और महामारी का चोली-दामन वाला साथ ही माना जाता था। बल्कि उस जमाने में तो अकाल भी इनके साथ जुड़ जाता था और यह मिलकर तीन तिलंगे हो जाते थे। यह सब मौत लेकर आते हैं। तबाही और बर्बादी लेकर आते हैं। भूख और गरीबी लेकर आते हैं। लेकिन एक चीज जो यह नायाब लेकर आते हैं, उससे हम ज्यादा वाकिफ नहीं हैं और वह यह कि यह सब संवेदनहीनता भी लेकर आते हैं। अगर आप नेताओं के नाटकों से ऊब गए हों, उनके वादों और आश्वासनों से तंग आ चुके हों तो महामारी तथा युद्ध काल में उनकी संवेदनहीनता आपको देखनी चाहिए। आपका टेस्ट बदल जाएगा, यह तय है। ऐसे मौकों पर वे एकदम ही नयी चीज पेश करते हैं। वे न कल महामारी के दौरान सैकड़ों मील पैदल चलते प्रवासी मजदूरों की पीड़ा से पिघल रहे थे, न ही उनकी त्रासदियों से पिघल रहे थे। उनके जख्म और उनके छाले जब लोगों की आत्माओं तक को झकझोर रहे थे, तब इन नेताओं ने अपनी संवेदनाओं को छुट्टी पर भेज दिया था।आज युद्ध के दौरान भी वही हो रहा है। जैसे तब बेचारे मजदूर शहरों में फंस कर रह गए थे, अपनी कोठरियों में घुट रहे थे और अपने गांव-घर निकल भागने को बेचैन थे, वैसे ही आज यूक्रेन में हमारे छात्र अपने फ्लैटों में घुटने को मजबूर थे और किसी तरह अपने देश, अपने घर पहुंचने को बेचैन हैं। जैसे तब मजदूर रेलवे स्टेशनों की तरफ भाग रहे थे, वैसे ही यूक्रेन में फंसे यह बच्चे भी रेलवे स्टेशनों की तरफ भाग रहे थे। जैसे तब हमारे यह मजदूर अलग-अलग राज्यों की सीमाओं को डरते-डरते पार कर रहे थे, वैसे ही आज यह बच्चे भी पोलैंड और रोमानिया की सीमाओं पर डरते-डरते ही पहुंच रहे हैं। तब मजदूरों को पुलिस पीट रही थी, आज इन बच्चों को उन देशों की फौज-पुलिस पीट रही है। तब मजदूरों को दुत्कारा जा रहा था, आज बच्चों को दुत्कारा जा रहा है। तब नेता इन मजदूरों के बारे में कह रहे थे-यह हमारे यहां आकर कोरोना फैलाएंगे। आज इन बच्चों के बारे में कहा जा रहा है कि ये गए ही क्यों थे? अरे ये वे थर्ड क्लास बच्चे हैं, जिन्हें यहां दाखिला नहीं मिलता। इस संवेदनहीनता के बाद बारी आएगी नाटक की।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

किचन गार्डन बनाना चाहते हैं तो इन टिप्स को जरूर करें फॉलो

अगर आप अपनी रसोई को अलग लुक देना चाहते हैं तो यकीन मानिए किचन गार्डन बनाने का आइडिया आपके लिए बेस्ट रहेगा। इसके लिए आपको गार्डन में इस्तेमाल होने वाली चीजों और बजट को ध्यान में रखते हुए शुरूआत करने की जरूरत है। ये गार्डन बनाते समय पौधे चुनने से लेकर उनकी देखभाल करने तक कई बातों का ध्यान रखना होता है। अगर आप भी खूबसूरत किचन गार्डन बनाना चाहते हैं तो इन टिप्स को जरूर आजमाएं।

रसोई की पर्याप्त रोशनी वाली जगह को चुनें

अगर आप यह चाहते हैं कि आपके किचन गार्डन का सही तरह से विकास हो तो इसके लिए ऐसी जगह चुनें, जहां पौधों को पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। वैसे अगर आपकी रसोई में खिड़की या फिर इसके पास ही बालकनी है तो ये जगहें किचन गार्डन के पौधों के लिए उपयुक्त हैं। इसके अतिरिक्त, किचन गार्डन के लिए हर्बस या फिर सब्जियों और फलों के बीज उच्चतम गुणवत्ता के चुनें।

गमले और कंटेनर

सही गमले और कंटेनर का करें चयन

अपने किचन गार्डन के लिए आप मिट्टी के गमले या फिर प्लास्टिक की बड़ी बोतलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कांच के कंटेनरों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि गमले और कंटेनर लगभग छह इंच लंबे हो और उनमें नीचे की ओर छेद हो ताकि मिट्टी से अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके। वहीं, गमलों और कंटेनर के नीचे एक प्लेट रखें ताकि उनमें से निकलने वाला पानी पूरी रसोई में न फैलें।

सही मिट्टी को चुनें

पौधों के लिए ऐसी मिट्टी का चयन करना बेहतर है, जिसमें सभी पोषक तत्व सही मात्रा में मौजूद हों और मिट्टी की पानी सोखने की क्षमता भी बेहतर हो। हालांकि, किसी एक प्रकार की मिट्टी हर पौधों के लिए उपयुक्त नहीं होती है। वैसे दोमट मिट्टी लगभग सभी पौधों के लिए अच्छी मानी जाती है क्योंकि इसमें क्ले की मात्रा अधिक होती है। इस मिट्टी में उच्च पोषक तत्व और पानी सोखने करने की क्षमता भी अधिक होती है।

सीमित मात्रा में दें पौधों को पानी

जब आप सही मिट्टी और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज पौधे के गमले में बो दें तो इसके बाद पौधे में सीमित मात्रा में पानी दें। अपने पौधों को पर्याप्त नमी प्रदान करने के लिए हर दो दिन में पानी दें। दरअसल, पौधों को तब पानी देना चाहिए, जब उसकी मिट्टी सूखी दिखाई दें। ऐसा करने से आप पौधों को अधिक पानी देने से बच सकते हैं। वहीं, मौसम को ध्यान में रखते हुए भी पौधों को पानी देना चाहिए।

35 की उम्र में बोल्ड हुई हुमा कुरैशी

बॉलीवुड में अपनी बेबाक एक्टिंग के लिए मशहूर हुमा कुरैशी को आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई है। उन्होंने इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। हुमा ने अपनी एक्टिंग से लाखों दर्शकों का दिल जीता है, साथ ही इन दिनों वह अपने स्टाइलिश अंदाज से लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं.

हुमा ने इंडस्ट्री में अपने दम पर जो मुकाम हासिल किया है, उसकी एक झलक पाने के लिए फैंस बेताब हैं। उन्होंने 35 साल की उम्र में ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. अब एक्ट्रेस एक बार फिर अपने लेटेस्ट पोस्ट की वजह से सुर्खियां बटोरती नजर आ रही हैं. हाल ही में हुमा ने अपने नए फोटोशूट की एक झलक दिखाई है। इस शूट के लिए हुमा ने ब्लैक कलर की डीप नेक ड्रेस पहनी हुई है। इस दौरान वह अपनी टोंड बॉडी को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए हुमा ने लाइट मेकअप किया है। स्मोकी आईज उन पर काफी सूट कर रही हैं. यहां हुमा ने बालों को कर्ली टच दिया है। एक्ट्रेस ने एक बार फिर सभा को लूटा है.

हुमा ने साथ में अपनी पांच तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह एक से बढ़कर एक पोज देते हुए बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। अब उनका ये लुक सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है. इंस्टाग्राम पर हुमा के लाखों फैन हैं, जो उनकी तस्वीरों पर प्यार और कमेंट करते नजर आते हैं. हुमा के फैंस यहां उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. इस दौरान एक्ट्रेस का रवैया काबिले तारीफ है.

शब्द सामर्थ्य -65

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2		3		4		5
		6				7		
8	9			10	11			
12		12ए		13		14		15
		16				17		
18	19			20	21			
22				23				24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
ड़		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			बि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

नानी-स्टारर श्याम सिंघा रॉय का बनेगा हिंदी रीमेक

नानी और साई पल्लवी-स्टारर श्याम सिंघा रॉय दिसंबर में स्क्रीन पर हिट हुई थी, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया था। अब इस फिल्म का हिंदी रीमेक बनने जा रहा है, जिसके लिए कई बड़े बॉलीवुड स्टार का नाम सामने आ रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो जल्द ही श्याम सिंघा रॉय का हिंदी में रीमेक बनाया जाना है। जाहिर है, एक शीर्ष प्रोडक्शन हाउस राहुल सांकृत्यान के निर्देशन में बनी फिल्म श्याम सिंघा रॉय के हिंदी रीमेक अधिकार हासिल करने के करीब है। रीमेक को अमल में लाने की योजना के साथ, प्रोडक्शन हाउस इस पर तेजी से काम कर रहा है। श्याम सिंघा रॉय के हिंदी रीमेक के लिए शाहिद कपूर और अजय देवगन पर विचार किया जा रहा है, जबकि फीमेल लीड पर कोई अपडेट नहीं है। हालांकि, इस बारे में अभी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। श्याम सिंघा रॉय समय यात्रा पर आधारित कहानी है, जिसमें नानी दोहरी भूमिका में नजर आए हैं, जबकि साईं पल्लवी ने देवदासी की भूमिका निभाई है।

किच्चा सुदीप ने अंग्रेजी में विक्रांत रोना की डबिंग पूरी की

कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप की आने वाली फिल्म विक्रांत रोना अंग्रेजी में डब होने वाली पहली भारतीय 3डी फिल्म बन गई है। एक एडवेंचर-आधारित मिस्ट्री थ्रिलर विक्रांत रोना इस साल रिलीज होने वाली सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अभिनेता उन भारतीय अभिनेताओं में से एक हैं जिन्होंने अपनी आने वाली फिल्म विक्रांत रोना के लिए अपनी फिल्मों के लिए अंग्रेजी में डब किया है। हाल ही में एक वीडियो में, एक्शन-एडवेंचर के निर्माताओं ने फिल्म से एक तस्वीर साझा की है। सुपरस्टार को 1 से 3 की उलटी गिनती पर अंग्रेजी में फिल्म के लिए डबिंग करते देखा जा सकता है। वे डॉयलॉग बोलते दिख रहे हैं, अब शुरू होता है असली खेल। क्लिप में विक्रांत रोना के खूबसूरती से डिजाइन किए गए केबिन की पहली छवियां भी दिखाई गई हैं। फिल्म में किच्चा सुदीप एक इंस्पेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। विक्रांत रोना में किच्छा सुदीपा मुख्य नायक के रूप में हैं, जबकि जैकलीन फर्नांडीज महिला प्रधान भूमिका में हैं। आने वाली फिल्म में निरुप भंडारी और नीता अशोक भी मुख्य भूमिका में हैं। कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी सहित पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज होने वाली, विक्रांत रोना को जी स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जिसे जैक मंजूनाथ ने अपने प्रोडक्शन शालिनी आर्ट्स के तहत बनाया है। फिल्म इन्वेनियो ऑरिजिंस के अलंकार पांडियन द्वारा सह-निर्मित है और अनूप भंडारी द्वारा निर्देशित है।

पिंक क्रॉप टॉप और पैंट सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रही है अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर एक्टिव स्टार्स में से एक कही जाती है। अभिनेत्री फैंस के साथ फोटोज और वीडियोज साझा करती रहती है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं, जो खूब पसंद की जा रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार फोटोज में अनन्या पांडे पिंक क्रॉप टॉप और पैंट में नज़र आ रही है। अभिनेत्री ने इसके साथ मैचिंग हील पहन रखी है। अभिनेत्री ने लाइट मेकअप कर रखा है और बालों को खुला छोड़ा हुआ है। हम बता दें कि इस लुक में अभिनेत्री बहुत ही ज्यादा सुंदर लग रही है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस अपना दिल हार चुके है। फैंस इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। वर्कफ्रंट के बारें में बात की जाए तो 11 फरवरी को अनन्या की फिल्म गहराइयां रिलीज हुई है। इस मूवी में एक्ट्रेस के साथ धैर्य करवा, दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी दिखाई दिए। मूवी अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दी गई थी। मूवी को लोगों का मिला-जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है।

हमें बताया गया है कि रणबीर और मेरे बीच बहुत अच्छी केमिस्ट्री है:वाणी कपूर

अभिनेत्री वाणी कपूर ने फिल्म में अभिनेता रणबीर कपूर के साथ अपनी जोड़ी के बारे में बात की है। वह कहती हैं कि हम दोनों को बताया गया है कि हम एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री साझा करते हैं। वाणी ने कहा कि रणबीर कपूर के साथ काम करना खुशी की बात है। वह एक निस्वार्थ अभिनेता भी हैं जो रचनात्मक रूप से हर तरह से सहयोग करते हैं कि प्रत्येक दृश्य सर्वश्रेष्ठ हो। मुझे उनके साथ काम करने और नोट्स का आदान-प्रदान करने में बहुत मजा आया। मुझे लगता है कि रणबीर और मैंने शमशेरा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। हम निश्चित रूप से स्क्रीन पर एक नई जोड़ी हैं और मुझे उम्मीद है कि लोग हमें एक साथ देखना पसंद करेंगे। वाणी को उम्मीद है कि रणबीर के साथ उनकी केमिस्ट्री पर बात की जाएगी। फिल्म में रणबीर के कट्टर दुश्मन संजय दत्त बने हैं। संजय क्रूर, निर्दयी खलनायक और उनके तसलीम की भूमिका निभाएंगे। यशराज फिल्म्स शमशेरा 22 जुलाई को हिंदी, तमिल, तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी विद्या और शेफाली की फिल्म जलसा ?

विद्या बालन और शेफाली शाह काफी समय से फिल्म जलसा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके लिए दोनों पहली बार साथ आ रही हैं। दोनों ही अभिनेत्रियां दमदार हैं। ऐसे में उनके साथ आने की खबर से ही दर्शक उत्साहित हैं। अब विद्या और शेफाली अभिनीत फिल्म जलसा की रिलीज डेट भी सामने आ गई है और यह भी साफ हो गया है कि फिल्म सिनेमाघरों में आएगी या ओटीटी पर।

सोशल मीडिया पर जलसा से अपना पहला पोस्टर प्रशंसकों के साथ साझा करते हुए विद्या ने लिखा, उसकी मुस्कान के पीछे असल कहानी छिपी है। यह घोषणा करते हुए मैं बहुत उत्साहित और खुश हूं कि जलसा 18 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है। शेफाली ने भी अपना फर्स्ट लुक शेयर कर लिखा, कोई नहीं जानता कि पर्दे के पीछे क्या है। 18 मार्च को प्राइम पर जलसा देखने के लिए तैयार रहें।

पिछली बार विद्या की फिल्म शकुंतला देवी ओटीटी पर रिलीज होने वाली पहली फिल्म थी। इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया गया था। इसके बाद विद्या की फिल्म शेरनी भी प्राइम वीडियो पर आई। प्राइम पर रिलीज होने वाली जलसा उनकी तीसरी फिल्म है।

फिल्म के सह-निर्माता भूषण कुमार ने कहा, एयरलिफ्ट, शेरनी और छोरी जैसी फिल्मों के लिए प्राइम वीडियो के साथ अतीत में हमारा बेहद सफल सहयोग रहा है।

मैं जलसा के साथ उसी जादू को फिर दोहराने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, मैं प्राइम पर फिल्म के प्रीमियर को लेकर उत्साहित हूं, क्योंकि इससे फिल्म को सही मायने में दुनियाभर के दर्शक मिलेंगे, जिसकी यह हकदार है। एक उम्दा स्टोरीलाइन वाली जलसा रोंगटे खड़े कर देने के लिए तैयार है।

विद्या और शेफाली के अलावा जलसा में रोहिणी हट्टंगडी, इकबाल खान, विधात्री बंदी, गुरपाल सिंह और सूर्य कसीभाटिया के साथ मानव कौल भी नजर आएंगे। विक्रम मल्होत्रा, भूषण कुमार के साथ मिलकर यह फिल्म बना रहे हैं। फिल्म में विद्या एक टीवी न्यूज एंकर की भूमिका में हैं, वहीं शेफाली उनकी कुक का किरदार निभा रही हैं। प्रज्वल चंद्रशेखर और सुरेश त्रिवेणी ने इस फिल्म की कहानी लिखी है। अब्बास-हुसैन दलाल ने फिल्म के लिए डायलॉग लिखे हैं।

विद्या फिल्म तुम्हारी सुलु के बाद निर्माता तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर के साथ दोबारा एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म पर काम कर रही हैं। फिलहाल इसका नाम लवर्स रखा गया है। अनीस बाज्मी की फिल्म भूल भुलैया 2 में विद्या एक बार फिर मंजुलिका बनने वाली हैं। दूसरी तरफ शेफाली अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म डॉक्टर जी में नजर आएंगी। वह शाहरुख खान के होम प्रोडक्शन में बन रही फिल्म डार्लिंग्स का भी हिस्सा हैं।

शॉर्ट ड्रेस पहन अवनीत कौर ने उड़ाए होश, बढ़ाया इंटरनेट का पारा

अपने बोल्ड और हॉट अंदाज से सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकीं टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर को आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई है. बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस अपने करियर की शुरुआत करने वाली अवनीत हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं. उन्होंने अपने दम पर ही वह मुकाम हासिल किया है, जिसके लिए किसी भी सेलिब्रिटी को सालों-साल मेहनत करनी पड़ती है.

अवनीत ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से करोड़ों दर्शकों का दिल जीता है। इसके अलावा वह आए दिन अपने लुक्स की वजह से भी चर्चा में बनी रहती हैं। अवनीत ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह ब्लैक शॉर्ट पहने नजर आ रही हैं.

अवनीत ने भले ही अपनी एक तस्वीर शेयर की हो लेकिन उनकी हरकतें किसी के भी होश उड़ाने के लिए काफी हैं. अवनीत ने अपने लुक को पूरा करने के लिए लाइट मेकअप किया है। यहां उन्होंने अपने बाल खुले रखे हैं। अवनीत ने रेड लिपस्टिक से इस लुक को और भी ग्लैमरस बना दिया है। साथ में एक्ट्रेस ने स्टाइलिश साइड बैग कैरी किया है।

अवनीत इस लुक में बेहद खूबसूरत और हॉट लग रही हैं। खास बात यह है कि अवनीत के इस पोस्ट पर चंद मिनटों में लाखों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं. अवनीत की इन हरकतों को देखकर लोगों को यकीन नहीं हो रहा है कि वह सिर्फ २० साल की हैं। अवनीत अब से बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों को अपने स्टाइल से टक्कर दे रही हैं।

अवनीत के करियर की बात करें तो वह पहली बार डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स में बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। इसके बाद वह डांस के सुपरस्टार में नजर आईं। वह ये दोनों शो नहीं जीत सकीं, लेकिन उसके बाद से उन्हें कई टीवी शोज के ऑफर मिलने लगे। इसके अलावा अवनीत कई फिल्मों का हिस्सा भी बनीं।

हनी त्रेहान की फिल्म में दिखेंगे दिलजीत और अर्जुन

कास्टिंग डायरेक्टर हनी त्रेहान ने २०२० में आई फिल्म रात अकेली है से अपनी पहचान बनाई है। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म थी, जिसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे मुख्य भूमिकाओं में दिखे थे। खबरों की मानें तो अब उन्होंने अपने निर्देशन की दूसरी फिल्म के लिए कमर कस ली है। उनकी अगली फिल्म में दिलजीत दोसांझ और अर्जुन रामपाल लीड रोल में नजर आएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, दिलजीत और अर्जुन डायरेक्टर हनी की अगली फिल्म में दिखने वाले हैं। आरएसवीपी मूवीज के रॉनी स्क्रूवाला, हनी और अभिषेक चौबे के बैनर मैकगफिन पिक्चर्स के साथ इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। सोनचिरैया और रात अकेली है के बाद फिल्म मेकर्स के बीच यह तीसरा गठबंधन है। फिल्म सच्ची घटना से प्रेरित होगी। यह 1984 के सिख विरोधी दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

खबरों की मानें तो फिल्म में दिलजीत एक एक्टिविस्ट की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। वहीं, अर्जुन को उनके समानांतर किरदार में देखा जाएगा। फिलहाल अर्जुन के कैरेक्टर के बारे में कुछ खास नहीं बताया गया है। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी एक ऐसे एक्टिविस्ट पर आधारित है, जो सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए लड़ाई लड़ता है। 1984 की सामूहिक हत्याओं के ताने-बाने के साथ इसकी कहानी बुनी गई है।

रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। इसे अमृतसर के रियल लोकेशंस पर शूट किया जा रहा है। फिलहाल फिल्म का शीर्षक तय नहीं किया गया है।

31 अक्टूबर, 1984 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या के बाद पूरे देश में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे। इन दंगों में ३,००० से ज्यादा लोग मारे गए थे। सिखों के खिलाफ हिंसा में कई कांग्रेस नेताओं का नाम सामने आया था, जिनमें जगदीश टाइटलर का नाम भी शामिल है। टाइटलर २००४ की कांग्रेस सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। यह इतिहास और राजनीति का एक विवादित मुद्दा रहा है। हनी की फिल्म दिलजीत की दसवीं हिन्दी फिल्म होगी। उन्होंने २०१६ में अभिषेक चौबे की फिल्म उडता पंजाब के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। उनकी आगामी फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल भी इस साल रिलीज के लिए बनकर तैयार है। अर्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अपर्णा सेन की फिल्म द रेपिस्ट में नजर आएंगे। इसके अलावा वह दिग्गज अभिनेत्री कंगना रनौत की एक्शन फिल्म धाकड़ में अभिनय करते दिखेंगे।

रूस से अलग खड़ा क्यों दिखना चाहता है चीन

सैबल दासगुप्ता

शी चिन फिंग अक्सर व्लादिमीर पुतिन को अपना बेस्ट फ्रेंड बताते रहते हैं। लेकिन बीते शनिवार जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस दोस्ती की परीक्षा की घड़ी आई तो उन्होंने ठीक वही किया जो नरेंद्र मोदी ने किया। शी और मोदी दोनों तटस्थ रहे, न अमेरिका को सपोर्ट किया और न ही रूस को। मामला उस निंदा प्रस्ताव का था, जो अमेरिका यूक्रेन पर रूसी हमले के खिलाफ लाया था। बहुतों को उम्मीद थी कि बड़ी शक्तियों में रूस का सबसे करीबी दोस्त होने के नाते चीन प्रस्ताव को वीटो करने में उसके साथ खड़ा होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रस्ताव तभी गिरा, जब रूस ने उसे वीटो किया। दिलचस्प यह कि चीन और भारत दोनों ने तटस्थ रहने का कारण भी बिल्कुल एक सा बताया। दोनों का कहना था कि वे कूटनीतिक बातचीत के दरवाजे बंद नहीं करना चाहते, जो कि उनके मुताबिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के निंदा प्रस्ताव पारित करके रूस को कोने में धकेलने की कोशिशों से बंद हो सकते थे।

दुश्मन नंबर वन

बात सही थी। अचरज की बात है कि लोकतंत्र के हिमायती पश्चिमी देश यह नहीं समझ पाए। लेकिन एक अहम अंतरराष्ट्रीय मसले पर भारत और चीन का सहमत होना भी अपने आप में दुर्लभ घटना है। हालांकि यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों की चिंता जैसे एकाध मुद्दों को छोड़ दिया जाए तो दोनों देशों के लिए इसके कारण बिल्कुल अलग-अलग हैं। रूस और चीन दोनों तानाशाही शक्तियां हैं और दोनों में अमेरिका के खिलाफ साझा अविश्वास है। दोनों ही देश संयुक्त राष्ट्र की अगुआई वाले संस्थानों में तालमेल बनाए रखते हुए काम करते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं से जूझने में एक-दूसरे की मदद भी करते हैं। समझा जाता है कि पुतिन ने यूक्रेन संबंधी अपनी योजनाओं पर शी चिन फिंग से चार फरवरी को चीन यात्रा के दौरान ही विचार-विमर्श कर लिया था। यह बाद के बयानों से भी स्पष्ट हुआ, जिनमें रूस ने कहा कि वह ताइवान मसले पर चीन का समर्थन करेगा।

प्रेक्षकों का मानना है कि ताइवान दूसरा यूक्रेन बनने वाला है क्योंकि चीन कहता रहा है कि वह ताकत के बल पर उसे अपने कब्जे में लेने को तैयार है। चीन मानता है कि ताइवान उसका अपना ही एक प्रांत है, जबकि ताइवान का अपना अलग झंडा ही नहीं अपनी सेना और अपनी करंसी भी है। वहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ताइवान मसले पर चीन को रूस का समर्थन यूक्रेन मामले में पेइचिंग में बनी आपसी सहमति का ही एक हिस्सा है।

दोनों देशों के बीच सालाना 147 अरब डॉलर का व्यापार होता है। चीन को सीमा पार से रूस की गैस की जरूरत है। शी और पुतिन ने हाल ही में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके मुताबिक अगले ३० वर्षों तक चीन को एक अन्य पाइपलाइन से अतिरिक्त गैसों की आपूर्ति होनी है। यह मॉस्को के लिए बहुत बड़ी मदद है, जो पश्चिमी प्रतिबंधों की वजह से अपना माल बेचने में असमर्थ है।

तो क्या चीन आखिरी पलों में अचानक ढीला पड़ गया है या रूस ही यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई करते हुए उसकी अपेक्षाओं से भी आगे बढ़ गया? इतना आगे कि उसके लिए स्थिति असुविधाजनक हो गई है?

चीनियों के बारे में माना जाता है कि वे निकट भविष्य की अच्छी समझ रखते हैं और दीर्घकालिक योजनाएं बनाने में भी निपुण होते हैं। लेकिन इस बार वे गच्चा खा गए। उन्हें न तो पुतिन के इस तरह यूक्रेन में चढ़ आने का अंदाजा था और न ही पश्चिमी देशों के रूस के खिलाफ गोलबंद होने का। चीन इस समय तमाम तरह के प्रतिबंध झेलते, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े रूस के साथ खड़ा नहीं दिखना चाहता। इस समय रूस की साइड लेना कूटनीतिक और आर्थिक दोनों लिहाज से काफी महंगा पड़ सकता है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा ट्रेडर है। फंड ट्रांसफर के लिए स्विफ्ट (सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनैंशल टेलिकम्युनिकेशंस) सिस्टम के अबाध उपयोग की उसे सबसे ज्यादा जरूरत है। रूस पर लगी पाबंदी चीन को सीधे तौर पर प्रभावित नहीं करेगी, लेकिन ब्लैकलिस्टेड रूसी बैंकों के साथ लेन-देन उसे कड़ी निगरानी में ला सकता है। चीन हर हाल में इससे बचना चाहेगा। जिस देश की 254 कंपनियां अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड हों, जाहिर है उसके लिए दांव पर बहुत कुछ लगा हुआ है। खासकर इसलिए भी कि इन कंपनियों के बोर्ड एक्जिक्यूटिव्स का सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी में अच्छा दखल है।

यह देखना दिलचस्प है कि कैसे चीन रूस के साथ अपना जुड़ाव कम करते हुए और राजनीतिक तौर पर अमेरिका का विरोध जारी रखते हुए गुटनिरपेक्षता की राह पर चलने को मजबूर हो रहा है। यह बात भी है कि चीन अपने इस रुख पर कायम रहना चाहता है कि किसी देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का किसी भी स्थिति में उल्लंघन नहीं होना चाहिए। हांगकांग, शिनच्यांग और तिब्बत पर उठने वाली विदेशी आवाजों को शांत करने के लिए वह इसी तर्क का इस्तेमाल करता रहा है।

संतुलन की कोशिश

मगर इसके साथ ही वह रूस की इस चिंता में शामिल है कि यूक्रेन को सदस्यता देकर नाटो अपना विस्तार करने की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में चीनी प्रतिनिधि ने दो परस्परविरोधी विचारों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते हुए कहा, 'यूक्रेन को पूरब और पश्चिम के बीच सेतु होना चाहिए, बड़ी शक्तियों के बीच टकराव की चौकी नहीं।'

काफी कुछ इस पर निर्भर करता है कि यूक्रेन में आगे कैसी स्थिति बनती है और रूस आर्थिक पाबंदियों से कैसे निपटता है। इन हमलों ने यह दर्शाया है कि रूस को आर्थिक प्रतिबंधों से ज्यादा चिंता इस बात की है कि नाटो यूक्रेन में न घुस आए। यूक्रेन प्रकरण के बाद चीन को न केवल रूस के साथ अपने संबंधों की समीक्षा करनी होगी बल्कि दुनिया में इसकी स्थिति को भी फिर से आंकना होगा।

बालिका वधू की आनंदी अविका गोर का बदल गया है लुक

टीवी के मशहूर सीरियल बालिका वधू की आनंदी उर्फ अविका गोर तो आपको याद ही होगी. वही अविका जो उस दौरान अपनी एक्टिंग और मासूमियत से सभी की फेवरेट बन गई थीं. अविका को आनंदी के रोल में काफी पॉपुलैरिटी मिली थी. अब आनंदी एक ग्लैमरस बेब बन चुकी हैं और इंस्टा पर अपने फोटोज और प्रोजेक्ट्स से जुड़ी जानकारियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. अविका ने पिछले कुछ सालों में अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दिया है। अब अविका ट्रेडिशनल रोल की जगह ग्लैमरस रोल कर रही हैं। उनकी लुक इतना बदल गया है कि फैंस उनकी तुलना हॉलीवुड हीरोइन मेगन फॉक्स से करने लगे हैं।

अविका गौर ने एक इंटरव्यू में कहा कि वजन कम करने से उन्हें अपनी पसंद के कपड़े पहनने का आत्मविश्वास और आत्मविश्वास मिला है। अविका गौर का कहना है कि मेरे करियर के शुरुआती दिनों में दर्शकों ने मुझे एक आम लड़की के रोल में देखा था, लेकिन अब मेरे बारे में लोगों की राय बदल गई है। अब लोगों को यकीन हो गया है कि मैं हर तरह के रोल कर सकती हूं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका इन दिनों तेलुगु फिल्मों और हिंदी टेलीविजन में काम करती हैं। बालिका वधू के बाद वह ससुराल सिमर का... में रोली के किरदार में नजर आई थीं। उन्होंने तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत २०13 में फिल्म उय्याला जम्पाला से की थी। अविका को लाडो-वीरपुर की मर्दानी में भी मुख्य भूमिका में देखा गया था।

सू- दोकू क्र. 65

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सान्या मल्होत्रा कथल में एक पुलिस वाली की भूमिका निभाएंगी

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अगली बार महिलाओं पर आधारित फिल्म कथल में अनंत जोशी के साथ नजर आएंगी।

एक छोटे से शहर पर आधारित यह फिल्म एक स्थानीय राजनेता की कहानी है, जिसके बेशकीमती कटहल (कथल) गायब हो जाते हैं और एक युवा पुलिस अधिकारी महिमा इसकी पता लगाती है। इसमें सान्या मल्होत्रा ने महिमा की भूमिका निभाई है। महिमा के लिए यह मामला महत्वपूर्ण है क्योंकि वह इसे सुलझाकर अपनी काबिलियत साबित करना चाहती है। फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक यशवर्धन मिश्रा ने किया हैं, उन्होंने अनुभवी, पुरस्कार विजेता लेखक अशोक मिश्रा के साथ फिल्म भी लिखी है।

सिखया एंटरटेनमेंट की सीईओ, निर्माता गुनीत मोंगा ने हरामखोर, द लंचबॉक्स और अकादमी पुरस्कार विजेता सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र (लघु विषय) पीरियड - एंड ऑफ सेंटेंस जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने साझा किया कि हम सान्या मल्होत्रा के साथ एक और रोमांचक यात्रा शुरू करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं और हमारे भागीदारों, बालाजी और नेटफ्लिक्स से बेहतर कोई नहीं है। कटहल शीर्षक से व्यंग्य और कॉमेडी का निर्देशन यशवर्धन मिश्रा कर रहे हैं।

यह चौथी बार है जब सान्या मल्होत्रा लूडो, पग्लैट और मीनाक्षी सुंदेश्वर के बाद नेटफ्लिक्स के साथ काम करेंगी।

हमें पिछलग्गू नहीं बनना

यूक्रेन में हालात जैसे-जैसे बिगड़ते जा रहे हैं, दुनिया भर में इस युद्ध के दुष्प्रभावों को लेकर बहस भी तेज होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से रूसी हमले के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास नाकाम हो जाने के बाद बुधवार को वैसा ही प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा की आपात बैठक में पेश किया गया। यह प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित हो गया, लेकिन सुरक्षा परिषद की ही तरह यहां भी भारत ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इसी संदर्भ में हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया ने गुरुवार के अंक में प्रकाशित संपादकीय में कहा कि भारत को अपने रुख पर दोबारा विचार करना चाहिए। उसके मुताबिक मतदान से गैरहाजिर रहकर तटस्थता दिखाने के बजाय भारत को इस मामले में खुलकर रूस के खिलाफ स्टैंड लेना चाहिए। संपादकीय कहता है कि आक्रमणकारी भूमिका में आकर परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे रूस के खिलाफ सभी देश एकजुट हो रहे हैं। पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष माने जाने वाले स्विट्जरलैंड और फिनलैंड जैसे देशों ने भी अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में भारत कब तक अपने पुराने रुख पर बना रह सकता है? संपादकीय में याद दिलाया गया है कि विदेश नीति की सबसे अहम कसौटी हमेशा राष्ट्रीय हित को ही माना जाता है।

मगर सवाल यह है कि क्या मौजूदा हालात में भारत के राष्ट्रीय हित उसे अपना रवैया पूरी तरह बदल कर अमेरिका के पाले में खड़े होने की इजाजत देते हैं? इस संदर्भ में पहली बात यह है जो इन दिनों बार-बार दोहराई भी जाती रही है कि भारत के लिए हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर देश रूस ही है। इसमें रातों-रात कोई बदलाव नहीं लाया जा सकता। ऐसा करने पर अरबों डॉलर के हथियार किसी काम के नहीं रह जाएंगे और नई सप्लाई हासिल करने में वक्त लगेगा। इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। दूसरी बात यह है कि भारत ने यूक्रेन मामले में तटस्थ रुख अपनाया है। युद्ध जल्द खत्म करने की अपील की है। वह शांतिपूर्ण तरीके से इस मसले का समाधान निकालने का हिमायती है। आज भी भारत गुटनिरपेक्षता की परंपरागत विदेश नीति पर चल रहा है, जो मूल्यों पर आधारित रही है। यह आजादी के बाद से भारतीय विदेश नीति की बुनियाद रहा है। इसी नीति की वजह से दुनिया में भारत ने स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद ही अपनी पहचान बना ली थी। गुटनिरपेक्षता के कारण ही शीत युद्ध के दौरान भारत ना ही सोवियत संघ और ना ही अमेरिका के कैंप में गया। भारत आज भी उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए, अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए क्वाड जैसे मंचों पर अमेरिका के साथ है तो दूसरी तरफ चीन के दबदबे वाले शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन और आसियान के साथ भी जुड़ा हुआ है। रूस भी शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन का अहम सदस्य है। इसलिए यूक्रेन मामले में भी भारत को यह नीति नहीं छोड़नी चाहिए।

धामी ने बच्चों संग मनाया फूलदेई लोकपर्व

देहरादून (संवाददाता)। कार्यवाहक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास पर बच्चों के साथ लोकपर्व फूलदेई मनाया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को भी शुभकामनाएं दी।

आज यहां कार्यवाहक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में बच्चों के साथ उत्तराखंड का लोकपर्व फूलदेई मनाया। धामी ने प्रकृति का आभार प्रकट करने वाले फूलदेई पर्व की प्रदेशवादियों को शुभकामनाएं दी एवं प्रदेश की सुख- समृद्धि की कामना की। फूलदेई लोकपर्व पर धामी ने ईश्वर से कामना की कि वसंत ऋतु का यह पर्व सबके जीवन में सुख समृद्धि एवं खुशहाली लाए। धामी ने इस अवसर पर आए बच्चों को उपहार भेंट किये। शशिभूषण मैठाणी एवं पर्वतीय संस्कृति संरक्षण समिति के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि फूलदेई उत्तराखण्ड की संस्कृति एवं परम्पराओं से जुड़ा प्रमुख पर्व है। उन्होंने कहा कि किसी राज्य की संस्कृति एवं परंपराओं की पहचान में लोक पर्वो की अहम भूमिका होती है। हमें अपने लोक पर्वों एवं लोक परम्पराओं को आगे बढ़ाने की दिशा में लागातार प्रयास करने चाहिए।

31 प्रशिक्षु आरक्षियों को दिलाई गई पद व गोपनीयता की शपथ

देहरादून (संवाददाता)। डीआईजी/एसएसपर नक 31 प्रशिक्षु आरक्षियों को प्रशिक्षण पूर्ण होने पर पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी। आज यहां पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन देहरादून में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मृतक आश्रित सेवा नियमावली के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों, वाहिनी से भर्ती आरक्षी नागरिक पुलिस तथा आरक्षी पी०ए०सी० के प्रशिक्षु आरक्षियों को उनका 09 माह का प्रशिक्षण समाप्त होने के पश्चात पद व गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए उन्हें पुलिस विभाग की मुख्यधारा में सम्मिलित किया। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एसएसपी द्वारा मुख्यधारा में शामिल होने वाले प्रशिक्षु आरक्षियों को भविष्य में पूर्ण कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह के दौरान एसएसपी द्वारा प्रशिक्षण के दौरान बाह्य तथा अन्त: कक्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को पुरस्कृत किया गया।

निगम की भूमि बचाने की मांग को लेकर पार्षद ने दिया धरना

देहरादून (संवाददाता)। नगर निगम की भूमि को भूमाफियाओं से बचाने की मांग को लेकर सालावाला पार्षद ने स्थानीय लोगों के साथ निगम परिसर में धरना दिया। आज यहां सालावाला के पार्षद भूपेन्द्र कठैत क्षेत्रवासियों के साथ नगर निगम पहुंचे जहां पर उन्होंने निगम अधिकारियों पर भूमाफियों के साथ सांठगांठ का आरोप लगाते हुए धरना दिया। इस अवसर पर उनका कहना था कि क्या नगर निगम के प्रत्येक वार्ड के अन्तर्गत निगम की भूमि का चिन्हीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर निगम की भूमि का चिन्हीकरण किया गया है तो उसकी सूची सार्वजनिक क्यों नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि डालनवाला जैसे पॉश इलाके में मुख्य मार्ग से सटी हुई पांच बीघा जमीन जिसे पूर्व में चिन्हित किया गया ाा कैसे किसी निजी व्यक्ति के नाम से शुल्क ले लिया गया। उन्होंने कहा कि करोडो की इस सार्वजनिक सम्पत्ति को इस प्रकार मिलीभगत से किसी निजी व्यक्ति के नाम शुल्क कैसे ले लिया गया। ऐसे कर्मचारियों को किन अधिकारियों व उच्च पदस्त लोगों का वरदहस्त प्राप्त है। अगर निगम अपनी भूमि को चिन्हित करती है तो उसको भूमाफियाओं से बचाकर वहां पर बच्चों के लिए पार्क व खेलने का मैदान बनाया जा सकता है।

उत्साह पूर्वक मनाया गया नानकशाही नया सम्बत 554 की आरम्भता एवं संग्रान्द

संवाददाता

देहरादून। गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा ने नानकशाही नया सम्बत 554 की आरम्भता एवं संग्रान्द के उपलक्ष्य में उत्साह व श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

आज यहां गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार, के तत्वावधान मे नानकशाही नया सम्बत 554 की आरम्भता एवं चौत महीने की संग्रान्द के उपलक्ष्य मे उत्साह तथा श्रद्धा पूर्वक कथा - कीर्तन का आयोजन किया गया। नव निर्वाचित विधायक श्रीमति सविता कपूर ने इस अवसर पर मत्था टेक गुरु महाराज जी का आशीर्वाद लिया। प्रात: नितनेम के पश्चात भाई चरणजीत सिंह ने आसा दी वार का शब्द 'चौत गोविन्द आराधीये होवे अनंद घना' का गायन किया, रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाले गये।

हैड ग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने कहा कि जीवन मे शुभ गुंणो के बिना जीवन व्यर्थ है, अच्छे गुण ही मनुष्य को जीवत रखते हैँ। चौत महीने मे संगत के साथ जुड़ कर प्रभु की भक्ति करने का बहुत

लाभ मिलता है स जो प्रभु के साथ मिलाप कर लेते हैँ उनका जीवन सफल माना जाता है। भाई सतवंत सिंह ने शब्द 'जो तुध भावे सो परवान मन तन तुहे आधारी' का गायन कर संगत को निहाल किया स नव निर्वाचित विधायक श्रीमति सविता कपूर को गुरु घर से शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया स उन्होंने नानकशाही नव सम्बत 554 की बधाई देते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी आप के सहयोग से मिली है उसे ईमानदारी से निभाउँगी।

इस अवसर पर प्रधान गुरबक्श सिंह राजन, जनरल सेक्रेटरी गुलजार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमिंदर सिंह छाबड़ा, उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह चन्नी, कोषाध्यक्ष मंजीत सिंह, सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, सतनाम सिंह, दविंदर सिंह भसीन, विजयपाल सिंह आदि उपस्थित थे। अतुल कपूर एवं अमित पांडे को भी स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया। मंच का संचालन सेवा सिंह मठारु ने किया, कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर प्रसाद छका।

बीस पेटी शराब के साथ एक गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने बीस पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरबर्टपुर चौकी प्रभारी पंकज तिवारी ने चैकिंग के दौरान पीडीएम स्कूल के पास एक कार को रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार से बीस पेटी शराब की बरामद कर ली।

चोरी के माल के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल की दुकान से चोरी करने वाले दो चोरों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली ऋषिकेश में अमरिंदर सिंह निवासी पशुलोक विस्थापित ऋषिकेश के द्वारा मुकदमा दर्ज कराया कि चोरों के द्वारा उनकी निकट हाईडिल गेट आशीर्वाद टेलीकॉम दुकान की टीन उखाड़ कर नए व पुराने मोबाइल तथा नगदी चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आज पुलिस को सूचना मिली कि लेबर कॉलोनी तिराहे के पास से दो लोगों अमरिंदर सिंह की दुकान आशीर्वाद टेलीकॉम से चोरी किए गए सामान के साथ गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया माल बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम विमल पुत्र स्वर्गीय रमेश निवासी लेबर कॉलोनी आईडीपीएल, पन्नू पुत्र मुनेश निवासी लेबर कॉलोनी आईडीपीएल बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दुर्गम क्षेत्रों में मोटर मार्ग व पैदल मार्गो को दुरस्त करने की मांग

विशेष संवाददाता

पिथौरागढ़। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिलाधिकारी डा आशीष चौहान को पत्र लिखकर धारचूला तहसील के दारमा घाटी तथा व्यास तथा मुनस्यारी के जोहार, रालम घाटी के लिए बने मोटर मार्ग तथा पैदल मार्गों को दुरस्त करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने की मांग की। कहां कि जिम्मेदार विभागों की पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी आयोजित की जाय।

धारचूला तहसील के व्यास तथा दारमा मुनस्यारी तहसील के जोहार तथा रालम घाटी में माइग्रेशन के लिए जाने वाले जनजाति के परिवारों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। अप्रैल में मौसम को देखते हुए इन परिवारों का गर्म घाटियों से ऊंचे हिमालय क्षेत्र में बसे माइग्रेशन गांव के लिए आवागमन शुरू हो जाता है। अभी तक प्रशासन ने इन परिवारों को सुरक्षित गांव में पहुंचाने के लिए कोई तैयारियां नहीं की है।

इस बात से नाराज जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज जिला अधिकारी को पत्र लिखकर इन परिवारों की व्यथा बताई है।

उन्होंने कहा कि धारचूला के व्यास तथा दारमा घाटी के लिए मोटर मार्गो का दुरस्त किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दारमा घाटी के लिए बने मोटर मार्ग को तवाघाट से लेकर ढाकर तक यातायात के लिए सुगम तथा सुरक्षित बनाने के लिए सीमा सड़क संगठन को धरातल पर कार्य करना होगा।

मर्तोलिया ने कहा कि मिलम तथा रालम के लिए बने पैदल मार्गों को मवेशी जाने के लिए सुगम बनाया जाना बेहद जरूरी है। इसके लिए सीमा सड़क संगठन तथा लोक निर्माण विभाग को जवाबदेह बनाने के लिए हम सामूहिक आंदोलन भी करेंगे। कहा कि प्रशासन तत्काल होली के बाद इन मोटर मार्ग तथा पैदल मार्गों के लिए जिम्मेदार विभागों के साथ त्रिस्तरीय पंचायत के प्रतिनिधियों की बैठक करा कर एक समय सीमा के भीतर इन मार्गों को खोलने का मास्टर प्लान बना कर धरातल पर कार्य करें।

उन्होने कहा कि अगर प्रशासन इन मामलों में लीपापोती करती है तो उन्हें विभाग तथा सरकार के खिलाफ आंदोलन करना पड़ेगा। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

एक नजर

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के लगाए एक प्रेशर बम में विस्फोट, एक जवान शहीद

नई दिल्ली । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए एक प्रेशर बम में विस्फोट होने के कारण सोमवार को भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का एक अधिकारी शहीद हो गया और एक हवलदार घायल हो गया। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने सोमवार को बताया कि जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोनपुर और ढोंडरीबेड़ा गांवों के मध्य लगाए गए प्रेशर बम की चपेट में आने से आईटीबीपी के सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह शहीद हो गए तथा

हवलदार महेश घायल हो गए।सुंदरराज ने बताया कि सोनपुर थाना क्षेत्र में आईटीबीपी की ५३वीं बटालियन के दल को सोनपुर और ढोंडरीबेड़ा गांवों के मध्य सड़क निर्माण कार्य की सुरक्षा के लिए सोमवार सुबह रवाना किया गया था। दल के जवान जब घटनास्थल पर थे, तब उनका पैर नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम के ऊपर चला गया, जिससे बम में विस्फोट हो गया। इस घटना में सिंह शहीद हो गए और महेश घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल जवान और अधिकारी के शव को घटनास्थल से बाहर निकाला गया। घायल जवान को नारायणपुर जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया है तथा बेहतर इलाज के लिए उन्हें रायपुर भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

यूक्रेन में अब तक 596 नागरिकों की मौत: संयुक्त राष्ट्र

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध शुरू होने से लेकर अब तक ५९६ नागरिकों की मौत हो चुकी है और कम से कम १,०६७ लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की ओर से रविवार

को बताया गया कि मारे गए लोगों में से ४३ और घायलों में ५७ बच्चे शामिल हैं। कार्यालय ने बताया कि ज्यादातर नागरिकों की मौत भारी गोलाबारी और मिसाइल हमले के कारण हुईं। यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा संयंत्र के संचालक एनरगोआटम ने रविवार को कहा कि चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बिजली की आपूर्ति बहाल कर दी गई है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि यूक्रेनी सेना ने चेर्नोबिल स्टेशन को बिजली आपूर्ति का समर्थन करने वाली सुविधाओं को बंद कर किया। जानकारी के अनुसार, बिजली आपूर्ति लाइन की मरम्मत यूक्रेनगो विशेषज्ञों ने की।

कोर्ट ने एनएसई की पूर्व सीईओ चित्रा रामकृष्ण को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पूर्व सीईओ चित्रा रामकृष्ण को सोमवार को दिल्ली की एक अदालत ने को–लोकेशन मामले में १४ दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसे पहले अदालत ने ग्रुप ऑपरेटिंग ऑफिसर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के पूर्व एमडी के सलाहकार आनंद सुब्रमण्यम को १४ दिन की न्यायिक हिरासत में भेज था। गौरतलब है कि

जांच टीम ने सुब्रमण्यम को हिमालयन योगी बताया है जो कि पूर्व सीईओ चित्रा रामकृष्ण को सलाह देता था। इसी के ही साथ सीबीआई ने शुक्रवार को दावा किया कि जिस ईमेल आईडी के जरिए रहस्यमयी योगीश ने सीईओ चित्रा रामकृष्ण का मार्गदर्शन किया था, उसे कथित तौर पर उनके पसंदीदा समूह परिचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यम ने बनाया था। सीबीआई के इस बयान के साथ ही इस रहस्यमयी योगी के राज पर से पर्दा उठ गया है। जांच एजेंसी ने विशेष सीबीआई अदालत को बताया कि सीबीआई नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की सीईओ रामकृष्ण और जीओओ सुब्रमण्यम की कर चोरों के पनाहगाह देश सेशल्स की यात्रा की भी जांच कर रही है। सीबीआई उनके खिलाफ को–लोकेशन घोटाले की अपनी जांच जारी रखे हुए है। सीबीआई ने विशेष अदालत को बताया कि सुब्रमण्यम ही योगी है, जिसका सुब्रमण्यम के वकील ने विरोध किया था।

कांग्रेसी चिंतन: हार का जिम्मेवार कौन?

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। पांच राज्यों में मिली करारी हार के बाद दिल्ली से दून तक चिंतन–मंथन का दौर जारी है। कुछ नेता हार की नैतिक जिम्मेवारी तो ले रहे हैं लेकिन इसके साथ ही वह कांग्रेस के कमजोर सांगठनिक ढांचे पर भी इसका ठीकरा फोड़ रहे हैं और भितरघात की जांच तथा उनके खिलाफ कार्रवाई की भी बात कर रहे हैं।

यह हास्यापद ही है कि हार की नैतिक जिम्मेदारी लेने की औपचारिकता निभाने वाले इन नेताओं में से किसी ने भी अभी तक अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है और वह यह कहकर अपना बचाव कर रहे हैं कि अगर हाईकमान कहेगा तो वह पद छोड़ने को तैयार हैं। धन्य है यह कांग्रेसी नेता और उनका यह हार की जिम्मेवारी लेने का तरीका। जो कुर्सी और पद से चिपके हुए हैं और हार की जिम्मेदारी भी ले रहे हैं।

नई दिल्ली में बीते कल चली 5 घंटे की आईसीसी की बैठक के बाद पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि वह पहले ही हार की नैतिक जिम्मेवारी ले चुके हैं

❑नैतिक जिम्मेवारी लेंगे लेकिन इस्तीफा नहीं देंगे नेता
❑संगठन की कमजोरी के सर फोड़ा जा रहा है हार का ठीकरा

और यह मान चुके हैं कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती थी और हमारे पास सत्ता में आने का बेहतरीन मौका था लेकिन हम अपनी बात जनता को समझाने में नाकाम रहे। इसलिए वह प्रदेश की जनता से माफी भी मांग चुके हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान के स्तर पर कहीं कोई कमी नहीं रही है राज्यों के स्तर पर हमें अपना सांगठनिक ढांचा मजबूत करने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भितरघात से भी नुकसान हुआ है इसकी जांच होगी और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस हार के बाद ही हरीश रावत कैसे और किस तरह की नैतिक जिम्मेवारी ले रहे हैं तथा उनके बयानों का आशय क्या है? यह समझा जा सकता है।

वही एक दिन पहले प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने भी कांग्रेस की हार की जिम्मेवारी कुछ इसी अंदाज में ली थी तथा वह प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी भी छोड़ने को तैयार हैं जैसी बात यह कहते हुए की थी कि हाईकमान का आदेश होगा तो वह कुर्सी छोड़ देंगे।

इस हार को लेकर भले ही दिल्ली से लेकर दून तक हाहाकार मचा हो और कांग्रेस की सत्ता दो राज्यों तक ही सीमित रह गई हो लेकिन कांग्रेस में न कोई बड़ा फेरबदल होने जा रहा है और न ही कोई नेता नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने जा रहा है। हार के बाद चलने वाला यह चिंतन–मंथन इस बार भी महज एक औपचारिकता ही दिखाई दे रहा है। चंद दिनों में यह चर्चाएं खुद ब खुद बंद हो जाएगी और सब कुछ वैसे ही चलेगा जैसे पिछले दो दशकों से चल रहा है।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर मांगे बीस लाख रूपये

देहरादून (सं)। अश्लील वीडियों वायरल करने की धमकी देकर बीस लाख रूपये मांगने पर पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला निवासी युवती ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पास एक फोन आया और फोन करने वाले ने उसको बताया कि उसकी अश्लील वीडियों बना रखी है वह उसको वायरल कर देगी अगर वह ऐसा नहीं चाहती कि उसकी वीडियों वायरल हो तो उसको बीस लाख रूपये लाकर दे। उसने जब उसका पता लगाया तो फोन करने वाली का नाम शिल्पी दास सरकार निवासी मन्नूगंज है।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधड़ी में पुलिस ने दो लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बकरालववाला नेशविला रोड निवासी सुरेन्द दत्त जोशी ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान जामुनवाला निवासी कमल सिंह धामी पुत्र पदम सिंह धामी से हुई तथा उसने कमल सिंह धामी से जमीन खरीदने की बात कही तो धामी ने उसको फूलसेनी में जमीन दिखायी जिसका सौदा होने पर उसने धामी को छह लाख पचास हजार रूपये दे दिये। उसने बताया कि बाद में उसको पता चला कि धामी ने फर्जी जमीन दिखाकर उससे रूपये ऐंठ लिये है। जब उसने कमल सिंह धामी व उस के साथी अनूप सिंह रावत से जब अपने रूपये वापस मांगे तो उन्होंने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी।

सैक्स रैकेट का भंडाफोड़, तीन महिलाओं सहित पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। घर से ही सैक्स रैकेट चलाये जाने का भंडाफोड़ करते हुए एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से यूनिट द्वारा हजारों की नगदी, मोबाइल फोन व आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को सूचना मिली कि पन्तनगर क्षेत्र के छतरपुर निकट गायत्री विहार में एक महिला द्वारा काफी समय से घर में सैक्स रैकेट चलाया जा रहा है। जिसके कारण कालोनी में माहौल खराब हो रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम द्वारा बताये गये घर में छापामारी की गयी तो मौके पर सचांलिका रेनू सरकार सहित तीन महिलाएं व दो पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में पाये गये। टीम को मौके से 6 हजार 3 सौ की नगदी, 6 मोबाइल फोन व काफी मात्रा में आपतिजनक सामग्री

भी बरामद हुई। पूछताछ पर संचालिका द्वारा बताया गया कि अधिक पैसा कमाने की वजह से मैं घर पर ही सैक्स रैकेट चलाती हूं। आरोपियों को गिरफ्तार कर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम चन्दन मण्डल पुत्र खोखन मण्डल निवासी दिनेशपुर ऊधम सिंह, विश्वजीत सरकार पुत्र विभास सरकार निवासी दिनेशपुर ऊधमसिंह नगर, पिकी हाजरा पत्नी संजय हाजरा निवासी कलकत्ता, अंजली पुत्री सुखई प्रसाद निवासी रुद्रपुर ऊधम सिंह नगर व रेनू सरकार पत्नी सुकुमार सरकार निवासी दिनेशपुर जिला ऊधमसिंह नगर बताया। टीम द्वारा सभी लोगों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

बलात्कार का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। युवती को अकेला देख उसके साथ बलात्कार का प्रयास करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार फतेहपुर टांडा निवासी महिला ने डोईवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार गयी थी घर में उसके बेटी अकेली थी तभी गांव का ही रहने वाला अनीस उर्फ विक्की पुत्र इस्लामुददीन उनके घर में घुस आया और उसकी बेटी के साथ छेडछाड करते हुए उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश करने लगा तभी उसकी बेटी की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग वहां पर आये तो आरोपी उसकी बेटी को जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।